

पृथक्कारी वि. (तत्.) दे. पृथक्कारक।

पृथक्क्रिया स्त्री. (तत्.) दे. पृथक्करण।

पृथक्कुल वि. (तत्.) भिन्न कुल का, दूसरे कुल का (खानदान)।

पृथक्कृत वि. (तत्.) 1. विलागीत वियोजित, अलग-अलग किया गया, अलग हुआ 2. अकेला एकाकी।

पृथक्चर वि. (तत्.) वह व्यक्ति जो आप ही रास्ते पर अकेला या अलग चलता हो, अलग या अकेले विचरने वाला।

पृथक्ता स्त्री. (तत्.) भिन्नता या अलगाव।

पृथक्त्व पुं. (तत्.) दे. पृथक्ता।

पृथक्दली वि. (तत्.) वनस्पति. 1. वह फूल जिसमें एक से अधिक पंखुडियाँ हों जैसे- सरसों का फूल 2. भिन्न-भिन्न दलों से संबंधित।

पृथक्पर्णी वि. (तत्.) एक ही पत्तों में आकार की दृष्टि से छोटी-बड़ी बनावट वाला या अनेक भागों में विभक्त पत्ती वाला (पादप) स्त्री. पृश्निपर्णी, पिठवन।

पृथग्जन पुं. (तत्.) 1. सामान्य लोगों से भिन्न 2. मूर्ख, बेवकूफ।

पृथग्भाव पुं. (तत्.) 1. पृथक् अवस्था होना, भिन्न होना 2. पृथक्ता, अलहदगी, जुदापन 3. विशिष्टता।

पृथगात्मता स्त्री. (तत्.) 1. पृथक्ता, भिन्नता 2. विशेष 3. जिसने स्वयं को अलग कर दिया हो, निजी विवेक 4. वैराग्य या विरक्ति।

पृथगात्मा वि. (तत्.) पृथक्, अलग, विशिष्ट।

पृथगात्मिका स्त्री. (तत्.) विशिष्टता, वैयक्तिकता, वैयक्तिक सत्ता।

पृथग्रूप वि. (तत्.) अन्य से भिन्न रूप और आकृति वाला, अनेक रूपों वाला।

पृथग्विध वि. (तत्.) अलग किस्म का, भिन्न जिसका रूप, ढंग या रीति भिन्न हो, अनेक रूपों वाला।

पृथा स्त्री. (तत्.) कुंती, एक पांडुपत्नी जो कुंती भोज की पुत्री थी।

पृथिका स्त्री. (तत्.) वृश्चिक आदि जाति का कोई जीव, कनखजूरा।

पृथिवी स्त्री. (तत्.) दे. पृथ्वी।

पृथु वि. (तत्.) 1. चौड़ा 2. बड़ा 3. बहुसंख्य 4. स्थूल 5. प्रभूत पुं. (तत्.) 1. इक्ष्वाकुवंश का एक राजा जिसका पुत्र त्रिशंकु हुआ, 2. एक विश्वदेव 3. अग्नि 4. वेणु के पुत्र जो प्रथम राजा माने जाते हैं (इनके द्वारा ही गो रूप धारिणी पृथ्वी से औषधियों का दोहन किया गया था) स्त्री. 1. काला जीरा 2. हिंगपुत्री 3. अफीम, अहिफेन।

पृथुक पुं. (तत्.) 1. बालक, लड़का 2. चिवड़ा, चिउड़ा, पृथुका-लड़की।

पृथुका स्त्री. (तत्.) 1. बलिका 2. हिंगुपत्री।

पृथुकीर्ति वि. (तत्.) 1. अत्यधिक कीर्ति वाला, यशस्वी 2. वसुदेव की एक बहन का नाम, कुंती की छोटी बहन।

पृथुग्रीव वि. (तत्.) मोटी गरदन वाला।

पृथुता स्त्री. (तत्.) 1. स्थूलता, मोटापा 2. विस्तार, फैलाव 3. विशालता।

पृथुदर्शी वि. (तत्.) जो भविष्य की घटनाओं का अनुमान कर सके, दूरद्रष्टा।

पृथु पत्र पुं. (तत्.) 1. लाल लहसुन 2. (वन.) वे वृक्ष जिसके पत्ते चौड़े होते हैं।

पृथुपर्णी वि. (तत्.) वे वृक्ष जिनकी पत्तियाँ चौड़ी होती हैं।

पृथुबीजक पुं. (तत्.) मसूर।

पृथुयशा वि. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जिसकी ख्याति या प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली हो, यशस्वी 2. बहुत विख्यात।

पृथुरोमा पुं. (तत्.) मछली।